8.4.24

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ - सुमन शर्मा, रोमा रानी कल्पना शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन') कहानी
पुस्तक- नवतरंग-4 (पर्यविरण)
भाग -1

सुप्रभात बच्चो!

आज हम कक्षा चौथी' की हिंदी साहित्य की पाठ्य पुस्तक नवतरंग भाग-4 के पृष्ठ-9 पर दिए पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन' पढ़ेंगे।

इस पाठ को पढ़ने से पहले हम इसके विषय में संक्षेप में जान लेते हैं। इस कहानी में वृक्षों का महत्व बताया गया है। वृक्ष हमें शुद्ध हवा देते हैं। दूषित वायु को अपने-आप में समेट लेते हैं। वृक्ष हैं तो हम हैं। वृक्ष हमारे चारों ओर के वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं। अब मैं पाठ को पढ़ना शुरू करती हूँ।

धीरज और धरती उछलते-कूदते घर वापस आ रहे थे; जैसे ही उन्होंने सोसायटी के प्रांगण में प्रवेश किया, पार्क हटाने की बात सुनकर वे दंग रह गए। बहुत-से अंकल-आंटी आपस में बातें कर रहे थे—

यह पार्क क्यों हटाया जा रहा है? बच्चे-बड़े सभी इस पार्क में खेलते हैं, घूमते हैं। इन वृक्षों से इतनी हरियाली है! वृक्षों की छाँव में बैठना कितना अच्छा लगता है! जब वे आपस में बातें कर रहे थे तब उन्हें इन वृक्षों को काटने का कारण पता चला। कारण यह था कि सोसायटी के पास का पार्क हटाकर वहाँ बहुमंज़िली इमारत बननी थी। सभी बच्चे भी परेशान थे। शाम को वे पार्क में गए, लेकिन खेले नहीं।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ- सुमन शर्मा, रोमा रानी
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन') पर्यावरण

धीरज और धरती नाम के यह दोनों बच्चे उसी सोसायटी में रहते थे जहाँ वे अपने मित्रों के साथ सोसायटी में बने पार्क में खेला करते थे। एक दिन जब उन्हें पता चला कि उस पार्क को वहाँ से हटाकर बहुमंज़िली इमारत बनाने की योजना बनाई जा रही है। यह सुनकर सब बच्चों को बहुत दुःख हुआ। शाम को वे पार्क में गए और आपस में बातें करने लगे कि अब हम खेलेंगे कहाँ? इतनी हरियाली, इतने पेड़- इन सबका क्या होगा? ऐसे बहुत-से प्रश्न बच्चों के दिमाग में आ रहे थे। सब बच्चे मिलकर पेड़ों की रक्षा का उपाय सोचने लगे।

तभी धीरज की मौसी उपासना अपने कॉलेज से वापस आई। बच्चों को उदास देखकर पूछने लगीं, "क्या हुआ मेरे नन्हे साथियो?"

धरती ने मौसी जी को सबकी उदासी का कारण बताया। "अच्छा, तो यह बात है!"— कहकर उपासना मौसी ने अपना बैग एक तरफ़ रखा और सबको लेकर प्रभात अंकल के पास गईं। प्रभात अंकल सोसायटी के अध्यक्ष थे, लेकिन वे भी परेशान थे। उन्होंने बहुत प्रयास किया था, लेकिन---। तब मौसी ने एक उपाय सुझाया, "हम पेड़ों की रक्षा के लिए उन्हें राखी बाँधेंगे।" बच्चों ने भी अपनी सहमति जताई।

प्यारे बच्चो! आज हम इस पाठ को यहीं तक पढ़ेंगे। इसका अगला भाग अगले हफ्ते भेजा जाएगा। अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:- सब बच्चे पृष्ठ-12 पर दिए शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे तथा इस पाठ को दो-तीन बार उच्च स्वर में पढ़ेंगे।

धन्यवाद। (अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner